नईदुनिया
लाइव
इंदौर, सोमवार 22 अक्टूबर 2018 www.naidunia.co

## आईआईटी के टेडएक्स में हस्तियों ने शेयर किए अनुभव

# आर्मी का अनुशासन अमल करने से मिलेगी सफलता

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

सैनिकों को भी डर लगता है लेकिन वो डर से बाहर आकर देश के लिए जान की बाजी लगाने के लिए हरदम तैयार रहते हैं और उनके लिए देशभक्ति सबसे ऊपर होती है। यह बात चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के लेफ्टिनेंट जनरल सतीश दुआ ने कही। उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि आर्मी ने अनुशासन के दम पर ही इस प्रक्रिया में सफलता पाई। आर्मी का जिस तरह का अनुशासन होता है, उसे यदि हर व्यक्ति अपने जीवन में अमल कर ले तो उसे सफलता आसानी से मिल सकती है।

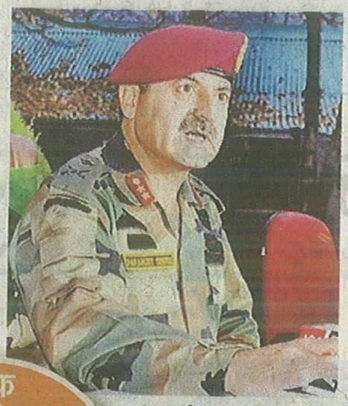

चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के लेफ्टिनेंट जनरल सतीश दुआ ने बताए सेना से जुड़े अनुभव

रविवार को आईआईटी इंदौर में टेडएक्स हुआ। इसमें अलग-अलग क्षेत्र की आठ शख्सियतों ने देश के भावी इंजीनियर और अन्य युवाओं को 'ब्रेकिंग बेरियर' विषय पर मोटिवेट करते हुए अपने अनुभव साझा किए और उन्हें जीवन में सफलता पाने के गुर सिखाए। आईआईटी इंदौर में दूसरी बार यह आयोजन हुआ, जिसमें छात्रों को देश के दिग्गज स्पीकर्स के साथ रूबरू होने का मौका मिला। इस आयोजन में देश के ख्यात टेबल टेनिस खिलाड़ी अचांता शरथ कमल ने टेबल टेनिस में विश्व रैंकिंग में 31 नंबर तक पहुंचने की कहानी और अपने अनुभव को स्टूडेंट्स के साथ शेयर किया।

### हर 60 साल के व्यक्ति को लिखना चाहिए मेडिकल विल

मोटिवेशनल स्पीकर दिव्यांशु दम्माणी ने कहा कि हमारे बोले हर शब्द का विशेष महत्व है। आपकी सबसे बड़ी शक्ति शब्द है, लेकिन लोग इस ओर ज्यादा ध्यान नहीं देते है। कोच रिंकू साहनी ने बताया कि हमारे दयालु और लोगों को खुश करने वाले व्यवहार में थोड़ा सा अंतर होता है। इसका ध्यान रखें कि कहीं लोगों को खुश करते-करते वे खुद को न भूल जाए। एम्स नई दिल्ली से आए प्रोफेसर डॉ. प्रसून चटर्जी ने बताया कि हर 60 साल के व्यक्ति को एक मेडिकल विल लिख देना चाहिए। कार्यक्रम में गिव मी ट्री एनजीओ के फाउंडर प्रेम परिवर्तन, मोटिवेशनल स्पीकर व यस टू लाइफ एनजीओ की फाउंडर नीति लिखा छाबड़ा, लेखक व शिक्षाविद् आशीष जायसवाल ने छात्रों को जीवन जीने के तरीके व सफलता के मंत्र बताए।

Nai Dunia (Indore), 22nd October 2018, Nai Duniya Live, Page-13